

खबर संक्षेप

छात्रा लापता, गुमशुदगी की शिकायत दर्ज

लोहारू। दो दिन पहले शहर से 22 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। युवती की दादी की शिकायत दर्ज पर लोहारू पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसकी 22 वर्षीय पौत्री घर से बिना बताए कहीं चली। उसके बारे में काफी पूछताछ और तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिली। लोहारू पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है।

2018 से पति लापता, पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज

लोहारू। शहर के वार्ड 11 निवासी विवाहिता ने लोहारू पुलिस थाने में शिकायत देकर वर्ष 2018 से लापता पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में महिला रेखा ने बताया कि उसका पति सुरेश कुमार फरवरी 2018 में घर से बिना बताए चला गया था। उसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उसकी आस पड़ोस और रिश्तेदारों के यहां काफी तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर ली है।

80 एमएम बारिश ने बिगाड़ी शहर की सड़कों की सूरत बारिश थमी तो सड़कें टूटीं, बिखरी रोड़ियां और अब गड़ढे बन रहे हादसों का कारण

कहीं पर चार तो कहीं पर छह फीट तक गड़ढे बने जो हादसों को न्योता दे रहे

कहीं पर 24 तो कहीं पर 36 घंटों तक बारिश का पानी सड़कों पर जमा रहा

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी



बिखरी रोड़ियों को समेटा नहीं गया तो वाहन चालकों के साथ बड़ा हादसा होते देर नहीं लगेगी। गुरुवार से लेकर शनिवार शाम तक रुक रुककर भिवानी व उसके आसपास इलाकों में करीब 80 एमएम पानी बरसा। जिससे शहर की अधिकांश सड़कें जलमग्न हो गईं। कहीं पर 24 तो कहीं पर 36 घंटों तक बारिश का पानी सड़कों पर जमा रहा। पानी से ही वाहनों का आवागमन रहा। अब पानी की निकासी लगभग हो चुकी है। उसके बाद सड़कों की रोड़ियां बिखरने लगी है। हालात ये बने है कि अंदरूनी शहर की



सड़कों पर तो आधे से पौने फुट गहरे तथा दस से 12 फुट दूरी तक गड़्डे बन गए हैं। जिस वजह से इन गड़्डों में वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी हुई। क्योंकि इन गड़्डों में बारिश का पानी है।

छोटे वाहन स्लीप हो रहे

वाहन चालक को दूर से पानी में गड़्ढा नहीं दिखाई देता। जिस वजह से खासकर दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है। इनके अलावा बारिश के पानी में बिखरी रोड़ियां से बाइक व अन्य छोटे वाहन स्लीप हो रहे हैं।

सड़कों पर अभी भी पानी जमा

वैसे तो शहर की अधिकांश सड़कें बारिश के पानी से दम तोड़ चुकी है, लेकिन शहर के दलान वाले इलाके की सड़कों की स्थिति और भी नाजुक बनी है। इन सड़कों पर अभी भी बारिश का पानी जमा है। वहां पर बारिश के पानी से सड़कों की ज्यादा रोड़ियां बिखर रही है। गड़्ढों का साइज लगातार बढ़ रहा है। जिससे इन सड़कों पर वाहन चालक जाने से कतराने लगे है। दूसरी तरफ कचरों में स्थित बेहद खराब बनी हुई है। वहां पर भी सड़कों में अनेक जगहों पर गड़्ढे बन गए। जो वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रहे है।

रोज गार्डन में जलभराव पर लोगों ने जताया रोष, निकासी की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► चरखी दादरी

दादरी के रोज गार्डन में जलभराव और गंदगी को लेकर रविवार को स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी जताई। भंगत सिंह सेना के अध्यक्ष कृष्ण फौगाट ने कहा कि पार्क में लंबे समय से पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के बाद हालात बदतर हो गए हैं। इससे सुबह-शाम सैर करने वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कृष्ण फौगाट ने प्रशासन से पार्क से जल्द पानी निकलवाने, नियमित सफाई कराने और स्थायी पानी निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

बीमारियां फैलने की आशंका

उन्होंने कहा कि जलभराव से मच्छरों और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। नागरिकों



ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान रिटायर्ड हेडमास्टर रामकुमार कलकल, राजीव जाखड़, जगबीर सांगवान, पवन गुप्ता, महेंद्र सिंह, मूर्ति देवी, कमलेश, खजानी देवी सहित अनेक नागरिक मौजूद रहे।

मोटरसाइकिल चोरी मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की सीआईएफ स्टाफ द्वितीय भिवानी की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महेंद्र निवासी रिवाड़ी खेड़ा ने थाना शहर भिवानी पुलिस को शिकायत में बताया था कि वह विशाल मेगा मार्ट में सिक्योरिटी गार्ड है। 30 जुलाई को वह सुबह इयूटी पर आया था और अपनी मोटरसाइकिल को विशाल मेगा मार्ट के सामने खड़ा किया था। दोपहर में जब उसने मोटरसाइकिल को चेक किया तो मोटरसाइकिल वहां नहीं मिली। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई थी। शिकायत के आधार पर थाना शहर भिवानी में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई। अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए 8 अगस्त को सीआईएफ स्टाफ द्वितीय भिवानी के मुख्य सिपाही नवीन कुमार की पुलिस टीम ने बाइक चोरी के मामले में आरोपी को बस अड्डा खरक कलां से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपी की पहचान पंकज पुत्र सत्यनारायण निवासी बाँद कलां, जिला चरखी दादरी के रूप में हुई है।

सागवान के पास ओवरफ्लो होने से ड्रेन टूटी

आसपास के खेतों में खड़ी फसल में पानी भरा

हरिभूमि न्यूज़ ►► तोशाम

गांव सागवान के पास रविवार को ड्रेन ओवरफ्लो होने के कारण टूट गई, जिसकारण आसपास के खेतों में खड़ी फसल में पानी भर गया। सूचना के बाद प्रशासन मौके पर पहुंचा और जेसीबी मशीन की सहायता से ड्रेन को दुरुस्त करने का कार्य शुरू किया।

गांव सागवान के पास रविवार को ड्रेन ओवरफ्लो होने के कारण टूट गई। ड्रेन टूटने की सूचना के बाद



भिवानी। टूटी ड्रेन को दुरुस्त करती जेसीबी मशीन।

किसान मौके पर पहुंचे। किसानो ने प्रशासन को सूचित किया। सूचना के बाद प्रशासन मौके पर पहुंचा। प्रशासन ने ड्रेन को जेसीबी मशीन की मदद से दुरुस्त किया। किसानों

का कहना है कि अभी तो तेज बारिश भी नहीं आई है फिर भी ड्रेन ओवरफ्लो होकर टूटने लगी। ग्रामीणों व किसानों ने प्रशासन से ड्रेन के स्थायी समाधान की मांग की

है। इस बारे में एसडीएम संदीप कुमार ने बताया कि ड्रेन का सुआयना किया है। ड्रेन जहां से ओवरफ्लो हुई थी उसको बंधवा दिया। लगातार ड्रेन का निरीक्षण किया जाएगा।

एसडीएम ने बरसाती पानी निकासी का किया निरीक्षण

अधिकारी सीवरेज व ड्रेनेज के जरिए गंदे पानी की निकासी का करें त्वरित समाधान : संदीप

हरिभूमि न्यूज़ ►► तोशाम

रविवार को एसडीएम संदीप कुमार ने अधिकारियों के साथ तोशाम क्षेत्र में बरसाती पानी निकासी और कस्बे में सीवरेज व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कस्बे में सीवरेज और ड्रेनेज के जरिए गंदे पानी निकासी और खेतों में अधिक बरसाती पानी निकासी का त्वरित समाधान करने में कोई कमी न रहने दें। कस्बे में सीवरेज



तोशाम। ड्रेनेज सिस्टम व गंदे एवं बरसाती पानी निकासी व्यवस्था का जायजा लेते एसडीएम संदीप कुमार व अन्य।

और ड्रेनेज के जरिए गंदे पानी निकासी का अधिकारी स्थायी समाधान करें। एसडीएम

संदीप कुमार कस्बे के बस स्टैंड के पास जोहड़, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट तथा तोशाम-

बवानीखेड़ा रोड पर बरसाती और गंदे पानी निकासी की ड्रेन निरीक्षण किया और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने तोशाम कस्बे में पेयजल, गंदे एवं बरसाती पानी निकासी की निरीक्षण के दौरान कस्बे में पोस्ट ऑफिस, मैन बाजार, माता वाली और पार्क वाली गली सहित बस स्टैंड के पास वाले जोहड़ से गंदे और बरसाती पानी के निकासी के बेहतर प्रबंधों के बारे में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पानी की निकासी तुरंत की जाए ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

ये रहे मौजूद

इस दौरान नायब तहसीलदार अशोक कुमार, सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता रमेश, दीपक, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ विक्रम पुनिया आदि उपस्थित रहे।

पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को किया जाएगा जागरूक : एडीसी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

एडीसी दीपक बाबूलाल कर्वा एवं डीआरडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के तीनों स्तरों के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को संबंधित अधिनियम के प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर एक दिवसीय पंच सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

यह सम्मेलन 10 अगस्त को प्रातः 9:30 बजे क्षेत्रीय प्रशिक्षण पंचायती राज संस्थान में आयोजित होगा। एडीसी बताया कि सम्मेलन में पंचायती राज संस्थाओं के तीनों

■ सम्मेलन आज प्रातः 9:30 बजे क्षेत्रीय प्रशिक्षण पंचायती राज संस्थान में होगा

स्तरों ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को आमंत्रित किया, जिसमें सभी सरपंच, पंच, जिला परिषद सदस्य तथा पंचायत समिति सदस्य भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान संबंधित अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों तथा पंचायती राज संस्थाओं के प्रभावी संचालन से जुड़े विषयों पर जानकारी दी

जाएगी। एडीसी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करना तथा ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की सम्मेलन में निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि एक दिवसीय पंच सम्मेलन के आयोजन के लिए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, भिवानी नवीन कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, पूर्व सांसद किरण व विधायक हुए शामिल

सम्मान समारोह में बोली, भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

शकुंतला गार्डन में भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के सम्मान में समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें उनको पगड़ी पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह देकर एवं फूल मालाओं से सम्मानित किया।

सम्मान समारोह में संदेश देते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल को नमन किया। उन्होंने महिलाओं को तीज पर्व की बधाई दी। डॉ. अर्चना ने कहा कि महिलाओं के साथ-साथ युवाओं के हित भी केवल भाजपा के हाथों में ही सुरक्षित



भिवानी। शकुंतला गार्डन में सम्मान समारोह में मंवासीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी, पूर्व सांसद किरण चौधरी, विधायक धनश्याम सराफ, विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि व अन्य।

हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार युवाओं, महिलाओं, किसान, आर्थिक रूप से पिछड़े व हर वर्ग के लिए कल्याणकारी

नीतियां लागू कर रही हैं। डॉ. गुप्ता ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कॉमन्वेल्थ खेलों में भिवानी से पदक विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने डॉ. अर्चना गुप्ता का स्वागत किया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं के हित में 15 करोड़ शौचालय, 12 करोड़ घरों में स्वच्छ ईंधन व जल पहुंचाया। पीएम आवास योजना से चार करोड़ महिलाओं को घर तथा लाडो लक्ष्मी योजना से सम्मान राशि दी जा रही है। कार्यक्रम में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, पूर्व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी, भिवानी वाल्मीकि, जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, पूर्वमंत्री जेपी दलाल, सांसद धर्मबीर सिंह के सुपुत्र मोहित चौधरी आदि मौजूद रहे।

महानगरों की तर्ज पर आकार ले रहा अग्रसेन भवन : डॉ.अर्चना

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

रोहतक रोड पर निर्माणाधीन अग्रसेन भवन में रविवार को अधवाल समाज की तरफ से भाजपा की प्रदेश अध्यक्षा डा. अर्चना गुप्ता का नागरिक अभिनंदन किया गया। इस दौरान समारोह में समाज की एकजुटता और भवन के विकास कार्यों पर विशेष चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में अग्रसेन भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदेव तायल, संरक्षक बृजलाल सराफ और अन्य ट्रस्टियों ने डा. अर्चना गुप्ता को पारंपरिक रूप से अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम का कुशल संयोजन ट्रस्ट के सचिव सुरेंद्र जैन एडवोकेट द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. अर्चना गुप्ता ने



कहा कि भिवानी का यह अग्रसेन भवन स्थानीय अधवाल समाज की आपसी एकता का एक जीता-जागता प्रतिबिंब है और यह महानगरों की तर्ज पर भव्य रूप में आकार ले रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस भवन के निर्माण से छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध भिवानी की सभी 36 विरादरी के लोगों को इसका लाभ मिल

सकेगा। केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि उन्हें अपने गृह नगर भिवानी में बन रहे इस आधुनिक अग्रसेन भवन में आकर बेहद प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता के समक्ष विश्वास दिलाया कि वे इस भवन के निर्माण कार्य में हर संभव मदद और सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहेंगी। इस समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ट्रस्ट के प्रमुख सदस्यों समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें विधायक धनश्याम दास सराफ, विधायक कपूर वाल्मीकि,, भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, हरियाणा महिला आयोग की वाईस चेयरपर्सन मीना परमार, ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदेव तायल, संरक्षक बृजलाल सराफ आदि मौजूद रहे।



कहानी

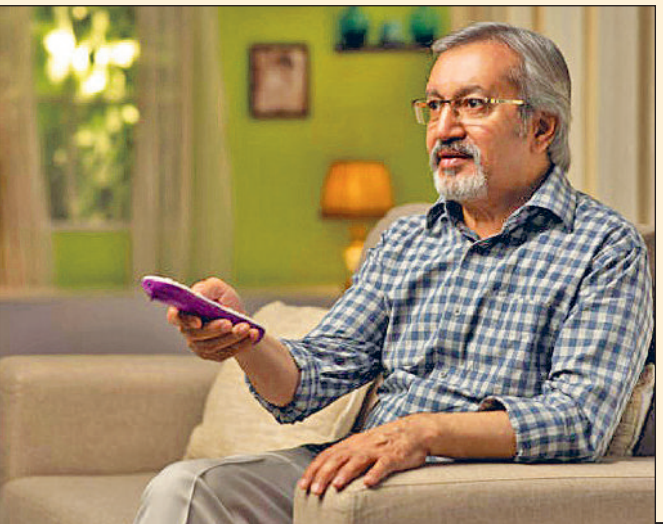
डॉ. सुरेश वशिष्ठ

रात के आखिरी पहर में उठकर बैठ जाता हूं। बिस्तर पर पूरी रात करवटें ही बदलता रहा। दिन में कुछ देर सो भी जाऊं तो रात में जागना पड़ता है। सोने की कोशिश भी की जाए तो नींद नहीं आती। अक्सर टीवी खोलकर देखने लगता हूं। खबरें सुन लूं तो दिल कांपने लगता है। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के आंकड़े दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। हर चैनल उसे बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने लगा है। कोरोना संक्रमण या सीमा पर पाकिस्तान द्वारा सीजफायर का उल्लंघन। बल्चिस्तान और सिंध में पाकिस्तानी सेना द्वारा बर्बरता। आज, यही सब देखने को रह गया है। दिमाग में जब इतनी हलचल चल रही हो तो नींद कैसे आ पाएगी और चित्त कैसे स्थिर रह सकेगा। कोरोना वायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है। ना अपने मुल्क में ना विदेश में। सरकारें इस महामारी में जितना कर सकती हैं, कर रही हैं। अपने वतन की स्थिति को भांपकर सांसें थमने लगी हैं। इस समय रात के तीन या चार बज रहे होंगे, सोचा- 'किसी फिल्म पर मन लगाऊं या कोई और सीरियल देखूं। मन कुछ तो हल्का होगा।' टीवी का स्विच ऑन किया। चैनल बदलते-बदलते फिर किसी न्यूज़ पर अंगुली अटक गई। दो खबरें मन को काफी परेशान करने वाली थी। एक तो यह कि 'पाकिस्तान में जेहादियों को कोरोना वायरस देकर सीमा में घुसा दिया जाए।' इसकी योजना वहां की फौज और सरकारें मिलकर बना रही थीं। इसका खुलासा किसी एक जिहादी और उसके पिता की फोन पर हुई वार्ता से उजागर हुआ था। न्यूज़ परोसी जाने लगी थी और लोग बहुत ध्यान देकर उसे सुन भी रहे थे। उच्छवास को फूंक से उड़ते हुए मन ने कहा- 'यह सब कारोबारियों का धंधा तो नहीं?' लेकिन कैसे....धंधा कैसे होगा? वह मानव-बम बनकर दूसरों को मारता है और खुद भी बहतर हूयों को प्राप्त होता है। उसके शरीर की चिंदियां धुएं के गुब्बार सी बिखर जाती हैं। यह कैसी राजनीति पसर गई है? लोगों को धर्म की गुहार देकर, उन्हें गुस्सेल बनाकर मरने के लिए छोड़ देना।... और वह मरता है, मारता है। पलभर में पूरी रात बीत गई।

सुबह हुई, लेकिन अशांत दिल और दिमाग खाली नहीं हो सका। अगले रोज भी आंखों में नींद की खुमारी थी। फिर भी उठा, कुल्हा-चतुन किया और टहलने के लिए बालकनी में जा पहुंचा। वहीं पर छोटी बहू चाय का प्याला दे गई। टीवी में परोसे जाने वाले सीन मन को आहत करते रहे। अनजानी कोई शंका दिमाग में घुस गई थी। इतने दिनों से बाहर नहीं जा सका, रिश्तेदारों से नहीं मिला और ना घूमने ही निकल पाया हूं। किसी लाइब्रेरी में भी नहीं गया हूं। गांव जाना चाहते हुए भी जा नहीं सका हूं। पत्नी के फोन की घंटी बजी, दूसरी तरफ गाड़ियां साफ करने वाले रामकरण की आवाज थी। वह सुबह-सुबह ही आ धमकता है। मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी,

धुएं के गुबार

मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी, आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं, आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है।'

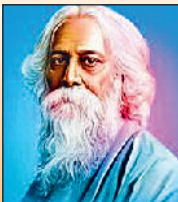


आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है। आटा, दाल, चावल का एक दाना तक घर में नहीं है।' दीनता से भरी उसकी आवाज हृदय में तीर सी चुभने लगी थी। मैंने आवाज देकर मिसेज को अन्दर बुला लिया और कहा - 'बुला लो उसे, दो हजार बनते हैं लेकिन कुछ ज्यादा ही दे देना, उसे भी ऐसे दिन तो निकालने ही होंगे। पैसे घर में नहीं हैं तो निकाल लाओ। हमारा बसर जैसे भी होगा, उसका भी होना ही चाहिए।' पत्नी ने उसे हिम्मत दी और शाम को आने के लिए कह दिया। वह बोली- 'शाम को आकर पैसे ले जाना और चिंता नहीं करना। कुछ और जरूरत भी है तो कहना।' वह थोड़ा आश्चर्य हुआ और चला गया। मिसेज बता रही थी कि उसके चेहरे पर खुशी के भाव जाग उठे थे। ऐसे कठिन समय सभी एक-दूजे की सहायता कर रहे थे।

आपदा देखी तो वतन उठ खड़ा हुआ था। आज ऐसा सभी जगह देखा और सुना जा रहा था। पड़ोसी देश की तस्वीर पर से धुंध भी साफ हुई थी। उसके कारनामों और उसकी नियत पर पूरे विश्व को शंका हो चली थी। खुलकर चीन पर लोगों की उंगलियां उठने लगी थीं। यह उसी की करनी है, कहा यही जा रहा था कि वहीं से इस वायरस ने जन्म लिया है। उनका सब ठीक भी हो गया, लेकिन विश्व पराजित होने लगा था। पिछले कुछ दिनों से यही सब सुना जाता रहा है कि चीन ने स्वयं को संभाल लिया लेकिन पूरी मानव जाति को इस महामारी में धकेल दिया है। मरकज से निकले लोग पूरे देश में फैल गए। इसके पीछे किसकी क्या

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविद्रिनाथ टैगोर



मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया।

पुरानी बात है, मेरे तीन बच्चे काफी छोटे थे। यही दो साल, चार साल और आठ साल, उन दिनों मेरा निवास फरीदाबाद में था। पड़ोस में एक मदरसा था, बच्चे वहां मौलवी से पढ़ने आते थे। शिक्षक होने के नाते मेरे मन में विचार जागा- 'क्यों न अपने बच्चों को भी उर्दू विषय पढ़ाया जाए? हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के साथ एक और विषय जान लेंगे तो बुराई क्या है?' और मैंने मौलवी से कहा- 'हमारे तीन लड़कों को भी उर्दू पढ़ा दिया करो।' 'नहीं, यह संभव नहीं।

हमारे यहां तो मुस्लिम बच्चे ही पढ़ने आते हैं।' मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया। उसके चेहरे का रंग बदलने लगा। थोड़ा झेंपकर मौलवी साहब हमें लगे- 'अरे मास्टर साहब, मैं कायदा इन्हें दे देता हूं, आप घर पर ही इन्हें पढ़ा दिया करें। मदरसे में इनका आना ठीक नहीं होगा।' उसने मुझे तीन कायदे दिए लेकिन मदरसे में हिन्दू बच्चों को वह पढ़ाने को राजी नहीं हुआ। उस रोज के बाद मैंने महसूस किया कि वह मुझसे दूरी बनाने लगा था। मुझसे कन्नी कांटने लगा था। कई बार मन में विचार भी जागा कि क्यों ये लोग मदरसे में हमें आने से रोकते हैं? यहां गौर करने लायक यह था कि दूसरे धर्म के लोगों की नजरों से, मदरसे की गतिविधियों में ये दूर ही रखना चाहते हैं। आखिर वहां कैसी विचारधारा परोसने में ये लोग लगे हुए हैं? अमन और शांति से जीवन को चलाने की क्यों नहीं सोचते, क्यों आस्तीनों में सांप हैं और क्यों दिलों में दूरियां हैं।

...अरे भाई, फनों से उगल दो जहर और शान्तचित्त निगाहें फेर लो और देखो--सुनहली सुबह सबके लिए आभामय होगी। उस सुबह के पलना को फैलने दो और मूंदकर आंखें वतन की हरियाली को महसूस करो। यही हमारी संस्कृति और संस्कार है। खैर!रात जैसे भी नींद आई, नहीं आई, सुबह बिस्तर से उठ खड़ा हुआ। गली में किसी सब्जी बेचने वाले की आवाज सुनकर बालकनी में आकर खड़ा हो गया। पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे। गली में आदमी नहीं था। उसकी आवाज सुनकर, सब्जी खरीदने के लिए पत्नी घर से बाहर निकली। दाम-दमड़ी पूछा और आलू-प्याज तुलवा लिए। उचित काफसला तो रखना ही था, सो सब्जी वाले से पत्नी ने कहा- 'थैले में डालकर गेट के अंदर इसे रख दो, मैं पैसे लेकर आती हूं, यहीं से पैसे भी उठा लेना।' तभी, बराबर के मकान की बालकनी पर पड़ोसन आई। सब्जी वाले को उसने देखा तो दूर से ही चिल्लाकर पत्नी से कहने लगी- 'बहन जी, इनसे सब्जी नहीं लेना,मुसलमान है। शूक लगा कर लाया होगा।'

पड़ोसन की बात पर सभी चौंक पड़े। उसी चिल्लाहट में सब्जी वाले को पड़ोसन ने कहा- 'भाग यहां से, तुम्हारा भरोसा क्या?'

कवि कॉर्नर	
कविता	भूपसिंह भारती
	

सबसे प्यारा ध्वज तिरंगा, नील गगन में लहराए।
सकता है अमिमान तिरंगा, झूठ पर बलि-बलि जाए॥

तीन रंग का संगम न्यारा, तभी तिरंगा कहनाए,
चक्र बीच में सजा जो, चलना हमको सिखलाए,
मनभावना रूप है इसका, ये सबके मन को भाये।

सबसे ऊपर है केसरिया, भाव जगाए बलिदानी,
आन, बान, सम्मान तिरंगा, चलते लेकटर सेनानी,
झंसे देख पाग में उठते, हम झुंझ पर जान लुटाए।

श्वेत रंग है बीच तिरंगा, शांति सीख सिखलाए,
वैरभाव दो खेड़ समी तुम, सम्भाव हृदय बसाता,
सत्य, अहिंसा पर चलना है, सार यही बतलाए।

हरा रंग है सबसे नीचे, यह प्रतीक हरियाली का,
रोज मौन हो देश मेरे में, यही रंग खुशहाली का,
विश्व विजयी तिरंगा प्यारा, ये गीत 'भारती' गाए।

कविता	मनीषा मंजरी
	

अपूर्णता का आकाश

धूप-छांव से परे हरे मैदानों ने,
कभी तो मौसम नया पाया होगा,
दिन और रात की कश्मकश से दूर,
क्षितिज ने रंग नया दिखाया होगा।
पूर्णता के क्षम को कभी तो
नवजीवन ने आग लगाया होगा,
अपूर्ण क्षणों की मृगतृष्णा ने,
दासता से स्वयं को बचाया होगा।
कभी बहारों के गलियारों ने भी,
किसी बाग में पतझड़ बरपाया होगा,
बारिशें ठहरी होंगी शहर में,
और प्यासों ने अश्रु को बहया होगा।
भाग रही थीं राहें गुपचुप,
क्या कदमों ने शोर मचाया होगा,
कारवां या अजनबियों का क्या
अपनेपन की कस्तूरी ने मन भरमाया होगा।
शह की ज़िद ने, दलती शाम से
दिल को लगाया होगा,
मिलकर बिछड़ने का दर्द,
आसमान ने फिर समझाया होगा।
स्वाभाव फैले थे अगनिनत पर,
क्या चुनने की हिम्मत ने हाथ बढ़ाया होगा,
टुकड़ों की चुमन ने लहू के रंग
को भी तो तड़पाया होगा।
स्वच्छंद हुईं उड़ानें पर पंखों ने भी तो
जोड़ लगाया होगा,
ऊंचाइयों की चाहतों ने ही तो,
जंजीरों से अस्तित्व छुड़ाया होगा।
चुनाव में एकांत रहा, पर साथ कभी तो
सम्मान ने भी आजमाया होगा,
मुस्कान की शायशैया पर संग बैठ, वैराग्य
से मोह लगाया होगा।

सत्य की खोज और व्हाट्सएप के सर्वज्ञानी



व्यंग्य

ज़ही पाठक

मनुष्य में ज्ञान बांटने की इच्छा हमेशा से रही है। पहले कठिनाई यह थी कि ज्ञान बांटने से पहले ज्ञानी होना पड़ता था। व्हाट्सएप ने यह कठिनाई दूर कर दी है। मेरे एक परिचित हैं। सुबह उठकर गगवान का नाम बाद में लेते हैं, पहले देखते हैं कि रातभर देश में क्या-क्या हो गया। देश में जो वास्तव में हुआ हो, उसमें उनकी विशेष रुचि नहीं है। उनकी रुचि उसमें है जो रात दो बजे किसी दूसरे गुप से उनके गुप में आया है। वे सुबह सात बजे तक जान चुके होते हैं कि चीन क्या करने वाला है, अमेरिका क्यों डर रहा है, जापान ने भारत से क्या सीख लिया है और हल्दी के पानी से कौन-सी बीमारी जुड़ से समाप्त होनी वाली है। हमारे यहां किसी बात के सच होने की पुरानी पद्धति बड़ी जटिल थी। दस्तावेज खोजिए, पुस्तक देखिए, जानकार से पूछिए। अब सत्य ने काफी तरक्की कर ली है। यदि कोई बात एक गुप में आए तो संभव है।

दो गुप में आए तो संभावित सत्य है। तीन गुप में आ जाए तो लगभग प्रमाणित है। व्हाट्सएप ने देश में विज्ञानों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाई है। पहले मोटिवले में एक डॉक्टर होता था। अब हर गुप में सात हैं। फर्क इतना है कि असली डॉक्टर मरीज देखकर दवा बताता है और ये बिना मरीज देखे बीमारी भी बता देते हैं, दवा भी और मेडिकल साइंस की साजिश भी। इतिहास विभाग यहां और

हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

भी समझू है। इतिहास की कोई भी घटना लीजिए, व्हाट्सएप के पास उसका वह संस्करण मौजूद है जो इतिहासकारों के पास नहीं है। इतिहासकार की मजबूरी है कि वह प्रमाण खोजता है। व्हाट्सएप इतिहासकार इस बंधन से मुक्त है। वह सीधे उस जगह पहुंचता है जहां प्रमाण पहुंचने में अभी दो-चार शताब्दियां लगेगी। यहां अर्थशास्त्र भी अत्यंत सरल है। पेट्रोल महंगा हो, रुपया गिरे, शेयर बाजार चढ़े या सब्जी महंगी हो, हर आर्थिक घटना को समझाने के लिए एक डाई मिनट का वीडियो उपलब्ध है। वीडियो बनाने वाले

व्यक्ति की आर्थिक योग्यता जानना आवश्यक नहीं। उसका आत्मविश्वास ही उसकी डिग्री है। यहां विश्वविद्यालयों वाली संकीर्णता भी नहीं है। वहां आदमी एक विषय का प्रोफेसर होता है। यहां एक ही व्यक्ति सुबह इतिहासकार, दस बजे चिकित्सक, दोपहर में अर्थशास्त्री, शाम को रक्षा विशेषज्ञ और रात होते-होते संधिधान विशेषज्ञ हो जाता है। रविवार को थोड़ा खाली समय मिले तो अंतरिक्ष विज्ञान भी देख लेता है। इस विश्वविद्यालय का कुलपति गुप एडमिन होता है। उसके पास अकादमिक योग्यता भले न हो, संवैधानिक

शक्तियां पर्याप्त हैं। वह किसी को भी प्रवेश दे सकता है, निष्कासित कर सकता है और सबसे बड़ी बात गुप का नाम बदल सकता है। यहां तथ्य गलत हो सकता है, आदमी कभी गलत नहीं होता। बल्कि जितनी बार उसकी खबर झूठी निकलती है, उतनी ही मजबूती से उसका विश्वास पक्का होता जाता है कि सच को ढबाने की कोई बहुत बड़ी साजिश चल रही है। इस तरह व्हाट्सएप ने मनुष्य को वह दुर्लभ सुविधा दी है जिसमें अज्ञान भी बढ़ता रहता है और आत्मविश्वास भी। दोष केवल व्हाट्सएप का नहीं है। व्हाट्सएप बेचारा वही देता है जिसकी मांग है।

हमें सूचना कम चाहिए, पुष्टि अधिक चाहिए। हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संदेह घटता जाता है। अंततः वह उस ऊंचाई पर पहुंच जाता है, जहां संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

लघु कथा

जीने का हक

गांव में फिर एक घर में शोक हुआ था। लोग इकट्ठा थे... फुसफुसाहटें थीं, बड़ी उम्र की बहुत सी महिलाएं भी वहीं खड़ी थीं।

एक ने कहा, "अब इसे समझाना पड़ेगा" "कैसे रहना है, ये बताना होगा" कुछ औरतें आगे बढ़ीं। तभी दरवाजे पर खड़ी कुसुम ने कहा "रुकिर"



डॉं अंजना गर्ग

कहानीकार

कुछ लोग गुप हो गए।

कुसुम आगे बोली, " जब इस गांव में किसी आदमी की पत्नी जाती

है, तो हम उसे कहते हैं— संभल जाओ आगे बढ़ो "थोड़ा रुककर - "और जब किसी औरत का पति मर जाता है, तो हम उसे सिखाते हैं- 'रुक जाओ बदल जाओ '

" करने में गहरी खामोशी थी। उसने धीरे से विमला का हाथ पकड़ लिया— "आज से न कोई बदलेगा न कोई रुकेगा"

सबकी सांसें थम-सी गईं। कुसुम ने साफ कहा, "आज से- दुख होगा तो दोनों के लिए एक जैसा होगा और जीने का हक भी दोनों के लिए एक जैसा होगा"

कोई कुछ नहीं बोला। कमरे में गहरा सन्नाटा था।

इस बार कोई नियम सुनाने आगे नहीं बढ़ा।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 10 अगस्त 2026

10

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक-राजनीतिक दस्तावेज है ‘उस पार’



समीक्षक

वंदना कपूर

उपन्यास ‘उस पार’ केवल आतंकवाद पर आधारित कथा नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक विषमता, युवाओं की निराशा, विभाजन की ऐतिहासिक पीड़ा, राष्ट्रवाद, मानवता तथा प्रेम के जटिल संबंधों की पड़ताल करने वाला सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। उपन्यास का सबसे बड़ा गुण यह प्रतीत होता है कि लेखक आतंकवाद को केवल अपराध के रूप में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी परिस्थितियों, वैचारिक शोषण और मानव मन की टूटन के साथ देखने का प्रयास करता है। कहानी में पात्रों के माध्यम से यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या व्यवस्था की विफलताएं भी अपराध की सह-उत्प्रेरक होती हैं। कथाका में प्रेम, संघर्ष, विश्वासघात और राष्ट्रभक्ति समानांतर चलते हैं।



यश भारद्वाज

लेखक

प्रभावशाली, संवादप्रधान तथा सिनेमाई प्रतीत होती है। यही कारण है कि इसके कई दृश्य फिल्मों रूपांतरण की संभावना भी दर्शाते हैं। लेखक भावनात्मक संवादों और नाटकीय परिस्थितियों के माध्यम से पाठक की उत्सुकता बनाए रखने का प्रयास करता है। हालांकि किसी भी ऐसे विषय पर लिखे गए साहित्य का मूल्यांकन अंततः संपूर्ण पाठ पढ़ने के बाद ही निश्चित रूप से किया जा सकता है। केवल प्रचार सामग्री के आधार पर इसकी ऐतिहासिक या तथ्यात्मक शुद्धता का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता। यदि उपन्यास संवेदनशील विषयों को संतुलन, मानवीय दृष्टि और तथ्यपरकता के साथ प्रस्तुत करता है, तो यह समकालीन हिंदी साहित्य में एक विचरोतेजक कृति सिद्ध हो सकती है। समग्रतः ‘उस पार’ एक ऐसा उपन्यास प्रतीत होता है जो केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि पाठक से कठिन प्रश्न पूछता है- युवाओं का भविष्य, व्यवस्था की जिम्मेदारी, आतंकवाद की जड़, इतिहास की संकृतियों और मानवता का मूल्य। यही इसकी सबसे बड़ी साहित्यिक शक्ति दिखाई देती है।

कुछ हटकर

इंटरनेशिप : यूजी-पीजी छात्रों के लिए बेहतरीन करियर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

आज के समय में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। कंपनियों ऐसे विद्यार्थियों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास व्यावहारिक ज्ञान, कार्य अनुभव और उद्योग जगत की समझ हो। यही कारण है कि इंटरनेशिप आज प्रत्येक विद्यार्थी के करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। चाहे विद्यार्थी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मीडिया, फार्मेसी, आर्किटेक्चर या किसी अन्य पाठ्यक्रम से संबंधित हो, इंटरनेशिप उन्हें वास्तविक कार्य वातावरण को समझने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

इंटरनेशिप क्यों आवश्यक है?
क्योंکه अनुभव प्राप्त होता है ,
व्यक्तित्व एवं संचार कौशल विकसित होते हैं,
रोजगार के



इन बातों को रखें ध्यान

- कअधिकृत माध्यमों से ही आवेदन करें
- प्रमाण पत्र और वयव पत्र की धैरता जाँचें
- फर्जी या क्षमक प्रस्ताव से सावधान रहें
- अपने विषय और करियर लक्ष्य से संबंधित इंटरनेशिप का चयन करें
- अपना जीवनवृत्त और व्यावसायिक प्रोफाइल व्यवस्थित रखें

किनके लिए है महत्वपूर्ण

- इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक विद्यार्थी
- प्रबंधन एवं कॉमर्स विद्यार्थी
- कंप्यूटर एप्लीकेशन विद्यार्थी
- मीडिया एवं पत्रकारिता विद्यार्थी
- फार्मेसी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के विद्यार्थी
- आर्किटेक्चर एवं डिजाइन विद्यार्थी
- कला एवं मानविकी विषयों के विद्यार्थी

क्या सीखने का प्रयास करें?

- इंटरनेशिप के दौरान समय प्रबंधन
 - टीम के साथ कार्य करना
 - व्यावसायिक संचार कौशल
 - प्रस्तुतीकरण कौशल
 - समस्या समाधान क्षमता
 - तकनीकी और डिजिटल उपकरणों का उपयोग
- इंटरनेशिप केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि स्वयं को उद्योग जगत के लिए तैयार करने का अवसर है।सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

ख़बर संक्षेप



शिक्षकों को दी आधुनिक पद्धतियों की जानकारी
चरखी दादरी। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में आयोजित दो दिवसीय सीबीएसई आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराते हुए उनके शिक्षण कौशल को अधिक प्रभावी बनाना रहा। प्रशिक्षण के दूसरे दिन सीबीएसई प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान ने शिक्षकों को विभिन्न गतिविधियों और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रभावी शिक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कक्षा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, सकारात्मक शिक्षण वातावरण तैयार करने, विद्यार्थियों के व्यवहार को समझने और प्रभावी कक्षा प्रबंधन की तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

गांव में फेरी लगाकर दिया देशभक्ति का संदेश

चरखी दादरी। दादरी जिले में हर घर तिरंगा अभियान का जन भागीदारी के साथ आगाज हो गया है। यह अभियान 17 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम होंगे। वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन भी होगा और 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस आयोजित होगा। जिले में चार जगहों पर प्रदर्शनी भी लगेगी। आगामी 17 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान की रविवार को लोगों के सहयोग के साथ शुरूआत हो गई है। गांव में लोगों ने तिरंगा यात्रा निकालकर अभियान की शुरूआत की। पंचायत एवं विकास विभाग के सहयोग से निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में बच्चों सहित अन्य लोगों ने भाग लिया और गांव की फेरी लगाकर देशभक्ति का संदेश दिया। देश की स्वतंत्रता के प्रतीक हमारे राष्ट्रीय गौरव तिरंगे के प्रति सम्मान प्रकट करने और नागरिकों में देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करने के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।



शिविर में 50 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। शहरवासियों को असाध्य और क्रोनिक (पुराने) शारीरिक दर्दों से राहत दिलाने तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से विशेष पहल की गई है। हांसी गेट स्थित श्रीराम कुंज सत्संग धाम में रविवार को स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर का शुभारंभ हुआ। नंदकिशोर अग्रवाल के विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन में शिविर 14 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम को 4 से 7 बजे तक जारी रहेगा। भिवानी में पहली बार न्यूरो सर्कुलेटरी थैरेपी के माध्यम से शरीर के विभिन्न प्रकार के दर्दों और नसों से जुड़ी समस्याओं का प्रभावी इलाज किया जा रहा है।

350 महिला व पुरुष मुक्केबाज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जीत चुके पदक

साक्षी सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजों का बीबीसी में स्वागत

- संघर्ष व निरंतरता की मिसाल हैं साक्षी, पहले भी तीन बार रू चुकी वर्ल्ड चैंपियन : कोच जगदीश
- बीबीसी ने 23 वर्षों के सफर में 350 अंतरराष्ट्रीय पदक, आठ अर्जुन एवं सात भीम अवॉर्ड जीते : कमल

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

कॉमनवेल्थ गेम्स में देश का नाम रोशन कर स्वर्ण पदक जीतने वाली स्टार मुक्केबाज साक्षी चौधरी का भिवानी पहुंचने पर भव्य एवं जोरदार स्वागत किया। मिनी क्यूबा के नाम से मशहूर भिवानी के भिवानी बॉक्सिंग क्लब (बीबीसी) में सम्मान समारोह में सांसद धर्मवीर सिंह, दादरी से विधायक सुनील सांगवान, लोहारू से विधायक राजबीर फरटिया व शिवरत्न सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की और मुक्केबाज साक्षी को स्मृति चिह्न व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित



भिवानी। मुक्केबाज साक्षी चौधरी का अभिनंदन करते सांसद धर्मवीर सिंह, विधायक सुनील सांगवान, कमल सिंह प्रधान व कोच जगदीश सिंह।

किया। द्रोणाचार्य अवॉर्ड कोच जगदीश सिंह ने साक्षी चौधरी की उपलब्धि पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि साक्षी की सफलता उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि साक्षी इससे पहले भी तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन रही और अब कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी में उनका कोई सानी

नहीं है। बीबीसी के अध्यक्ष कमल सिंह प्रधान ने बताया कि पिछले 23 वर्षों में भिवानी बॉक्सिंग क्लब की नर्सरी से निकले लगभग 350 महिला व पुरुष मुक्केबाजों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के लिए पदक जीते हैं। उन्होंने केवल पदक ही नहीं, बल्कि क्लब के खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें आठ अर्जुन व सात भीम अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है। कमल सिंह ने

इन्हें किया सम्मानित

समारोह में अर्जुन अवॉर्ड गीतू घणघस, अर्जुन अवॉर्ड कविता चहल, अर्जुन अवॉर्ड सुनील सिवाव, एथलीट कोच जगदीश सिंह, भीम अवॉर्ड दिलबाग सिंह, भीम अवॉर्ड सोनिया चहल, बॉक्सर सत्यनारायण, बंटी पंजाल, कलावती, पूजा, मोनू फौगाट, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज मनजीत सिंह, विजय हुड्डा, विश्व पदक विजेता प्रवीण शर्मा, पंकज अत्री, मनोज राठी, महेश, अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी कैलाश गिल, अंतराष्ट्रीय मुक्केबाज व एसडीओ जोगेंद्र सिंह, प्रशिक्षक प्रवीण, प्रशिक्षक जितेंद्र सिंह, कुलदीप सिंह, दीपक मोर, विजय कुमार, विजेंद्र सिंह, विश्व पदक विजेता निशा गुलेरिया, पार्थवी गेवाल, तमन्ना बनिवाल, राशी शर्मा, निशा, शिवानी, रुचिका बेरवाल, सुनील सहायण, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज व प्रशिक्षक बिजेंद्र सिंह को भी सम्मानित किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करने वाले भिवानी जिले के सभी सात खिलाड़ी साक्षी चौधरी, प्रिया घणघस, प्रीति पंवार, सीमा कालीरामण, जैस्मिन लंबोरिया, सचिन सिवाच और यशवीर तंवर को बधाई दी और आगामी एशियाई एवं ओलिंपिक खेलों में देश के लिए तिरंगा लहराने की शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान भिवानी के खेल योगदान को रेखांकित करते हुए अध्यक्ष कमल सिंह प्रधान ने प्रदेश सरकार के समक्ष महत्वपूर्ण मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में देश में

सर्वाधिक पदक अकेले भिवानी जिले के खिलाड़ियों ने जीते हैं, जो इस माटी की खेल प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने भिवानी में खिलाड़ियों के उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए खेल विश्वविद्यालय तथा चोटों के त्वरित इलाज एवं पुनर्वास के लिए आधुनिक स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर स्थापित करवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ में भिवानी के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को देखते हुए सरकार द्वारा आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय सम्मान समारोह भिवानी की धरती पर ही किया जाना चाहिए।

शिक्षक लीलाराम ने युवाओं को किया नशे के खिलाफ जागरूक

■ एसडीएम मनोज दलाल ने अभियान की सराहना की

■ एसडीएम ने युवाओं को सफलता के टिप्स दिए

हरिभूमि न्यूज़ ►► लोहारू

हारट्रोन कंप्यूटर सेंटर में ढाणी गंगा बिशन के राजकीय प्राथमिक पाठशाला के शिक्षक लीलाराम के नेतृत्व में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान की शुरूआत की। इस दौरान एसडीएम मनोज दलाल ने अभियान की सराहना की और युवाओं को सफलता के टिप्स दिए। शिक्षक लीलाराम ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत तंबाकू एवं ड्रग मुक्त युवा फॉर विकसित भारत जनजागरूकता एवं संवेदीकरण अभियान चलाकर युवाओं को तंबाकू एवं अन्य मादक पदार्थों के



लोहारू। हारट्रोन कंप्यूटर सेंटर में युवाओं को जागरूक करते हुए मा. लीलाराम और एसडीएम मनोज दलाल। फोटो: हरिभूमि

सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। अभियान में एसडीएम मनोज दलाल ने भी शिरकत की और अभियान की सराहना की।

एसडीएम दलाल ने कहा कि युवाओं को जीवन में हर प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के डायरेक्टर कुलदीप बोदलिया ने शिक्षक लीलाराम अभियान की शुरूआत करने पर बधाई दी। शिक्षक लीलाराम ने कहा कि दुनियाभर में भारत ही युवा राष्ट्र कहलाता है तथा देश के युवाओं ने अपनी प्रतिभा से विश्व में देश का नाम रोशन किया है।

शिव मंदिर के मंडारे में उनड़े श्रद्धालु



चरखी दादरी। शहर के वार्ड 19 में जनकराया सेवा समिति के तत्वावधान में हर साल की भांति इस बार भी शिवरात्रि पर्व मनाया गया। इसके उपलक्ष्य में रविवार को शिव मंदिर और जनकराया भवन में यज्ञ और मंडारे का आयोजन किया गया। समिति के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और शहर के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर सर्व मंगल कामना की। इसके बाद शुरू हुए मंडारे में सैंकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। समाजसेवी दलबीर सिंह ने कहा कि आयोजन में समस्त समिति सदस्यों का विशेष सहयोग रहा है। क्षेत्र के लोगों ने बढ़ चढ़ कर कार्यक्रम में भाग लिया। दलबीर सिंह ने कहा कि सावन माह में भगवान शिव की पूजा अर्चना का कई गुना शुभ फल मिलता है। समिति द्वारा सालाना यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस दौरान निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया गया।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर जिला कांग्रेस कमेटी ने स्वतंत्रता सेनानियों को किया नमन

स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा जनहित की रक्षा का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

रविवार को कांग्रेस की ग्रामीण व शहरी जिला कमेटी ने कांग्रेस तिलक भवन में भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ की स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 9 अगस्त 1942 को शुरू किए आंदोलन एवं देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और अद्वितीय बलिदान को नमन किया। कांग्रेस नेताओं व



भिवानी। कांग्रेस तिलक भवन में भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर कार्यक्रम को संबोधित करते कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी। फोटो: हरिभूमि

कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा देश के लोकतंत्र, संविधान और

जनहित की रक्षा के लिए संघर्ष को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

जोगी ने सरकार पर हमला बोला

कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने की। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा छात्रों की गुंज अभियान एवं अन्य माध्यमों से उठाए जा रहे युवाओं, छात्राओं, किसानों, महिलाओं तथा आमजन से जुड़े बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, पेपर लीक, पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों व कांग्रेस की जनहितेषी विचारधारा एवं नीतियों को घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। जोगी ने केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश को अंग्रेजों की गुलामी की बेड़ियों से आजाद करवाने के लिए हमारे महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों ने ऐतिहासिक आंदोलन चलाए थे, आज उन्हीं के दिखाए मार्ग पर चलते हुए देशवासियों को भाजपा सरकार के कुशासन से मुक्ति दिलाने के लिए बड़े आंदोलन व अभियान की सख्त जरूरत है। गुलिया ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार का शासन अंग्रेजों के शासनकाल से भी बदतर साबित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य को पूरी तरह से बर्बाद कर उन्हें बेरोजगारी के दलदल में धकेलने पर तुली हुई है। कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वर्ष 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे ने देश में आजादी की अलख जगाई थी, उसी तर्ज पर भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर कांग्रेस ने स्वतंत्रता सेनानियों को किया नमन

- 9 अगस्त 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का ऐतिहासिक अध्याय

हरिभूमि न्यूज़ ►► चरखी दादरी

जिला कांग्रेस कार्यालय दादरी में रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुशील की अध्यक्षता में भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू सहित स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को नमन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील ने कहा कि 9 अगस्त 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता

गांव धिकाड़ा के मंदिर परिसर में लगाए पौधे



चरखी दादरी। जिला उपयुक्त मनदीप कौर और पुलिस अधीक्षक लोमेश कुमार के मार्गदर्शन में जिला पुलिस व सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से नशे के खिलाफ और पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को गांव धिकाड़ा स्थित ऐतिहासिक बाबा ठाडेश्री मंदिर परिसर में नशा छोड़ो- पेड़ लगाओ अभियान शुरू किया गया। अभियान की अगुवाई समाजसेवी एवं पर्यावरण एक्टिविस्ट योगबीर सांगवान ने की। मंदिर के महंत के सान्ध्य में ग्रामीणों को नशे से दूर रहने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प दिलाया गया। पुलिस टीम ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान एसएसआई पवन कुमार, हेड कांस्टेबल संजय कुमार, अनिल कुमार, मनोज कुमार, संजु कुमारी, सतीश कुमार, मनीष सिंह और अजय कौशिक मौजूद रहे। सरपंच विपिन कुमार, संत पूर्ण साहेब, किसान नेता राजबीर फौजी, दीपक मान, महेंद्र, नरेश कुमार सहित ग्रामीणों ने अभियान की सराहना की।

पौधरोपण भावी पीढ़ी के प्रति हमारी जिम्मेदारी



चरखी दादरी। अनहद शक्ति फाउंडेशन एवं वंचित जन जागृति ट्रस्ट की ओर से पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत गांव डौझू कलां की आंबेडकर कॉलोनी में दूसरे दिन भी पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान में राजयोगिनी बह्माकुमारी वसुधा, रामबास के सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा, अनहद शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष शैलजा यादव, अनहद पर्यावरण दल प्रमुख एवं प्रवक्ता मुकेश काला सहित अनेक गणमान्य लोगों ने पौधे लगाए। राजयोगिनी बह्माकुमारी वसुधा ने कहा कि एक वृक्ष सुपुत्र के समान होता है, जो प्रकृति और भावी पीढ़ी का सच्चा सहारा बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को वृक्षों के शास्त्रीय, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व की जानकारी दी। वंचित जन जागृति ट्रस्ट के अध्यक्ष बिशन सिंह आर्य ने कहा कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए प्रकृति से जुड़ना आवश्यक है। वृक्ष वायु प्रदूषण कम करने, तापमान नियंत्रित करने, जल संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मास्टर सुनील कुमार तिवाला ने कहा कि पौधे लगाना भावी पीढ़ी के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी जरूरी है। अभियान में ज्योति, जगदीश राय, कप्तान बलबीर सिंह, मृगु सिंह, अशोक शर्मा, सुदीप, सुबोध, लक्ष्य, तमन्ना, सारिका, शीतल, दीक्षित व मयंक आदि भी मौजूद रहे।

पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड स्थित मंदिर परिसर में शिव शक्ति सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट ने भक्ति, श्रद्धा और सेवाभाव से ओत-प्रोत सुंदरकांड पाठ एवं पौधरोपण का आयोजन किया। भक्तिमय भजनों और प्रभु श्रीराम के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्यतिथि शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन शंकरलाल धूपड़ की धर्मपत्नी उमा धूपड़ ने क्षीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर हरियाणा बाल संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन तुपति श्योराण भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रही और श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के प्रधान प्रदीप सेनू शर्मा ने की। मुख्यतिथि उमा ने कहा कि सुंदरकांड का पाठ हमें जीवन में कठिनाइयों से लड़ने का धैर्य और असौम्य सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि श्रीसनातन धर्म में भक्ति के साथ-साथ प्रकृति और समाज की सेवा का बड़ा महत्व है। आज के दौर में जब हर तरफ व्यस्तता का माहौल है, ऐसे धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन मन को शांति और समाज को जोड़ने की दिशा प्रदान करते हैं। शिव शक्ति सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट का ये प्रयास अत्यंत सरहनायक है। ट्रस्ट की उपप्रधान रंदा गुप्ता ने अतिथियों व श्रद्धालुओं का आभार जताया। सुंदरकांड पाठ के समापन के उपरान्त श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया। संस्था के पदाधिकारियों, अतिथियों और बोर्ड कर्मचारियों ने मिलकर शिक्षा बोर्ड परिसर में फलदार एवं छायादार पौधे रोपित किए। इस मौके पर शशी परमार, ओमपति, माया, सुरेंद्र मुदगिल, संतोष हुड्डा, सुनीता तंवर, कमलेश, सुमन, मुकुंजी रोहिल्ला, त्रिलोकचंद महता, सुनीता, विकास घणघस, हैप्पी, मावेश, सौमिका व प्रवीण आदि मौजूद रहे।

बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन केन्द्र में बदलाव

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा- 2025 (एचटेट) के अर्थार्थियों के हित में महत्वपूर्ण सुचना जारी करते हुए बताया कि हिसार जिले में स्थापित बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन केन्द्र में अपरिहार्य कारणों के चलते बदलाव किया है। बोर्ड सचिव मुनीष शर्मा ने बताया कि जिला हिसार में 10 से 12 अगस्त तक होने वाली बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन करवाने के लिए स्थापित वैरिफिकेशन केंद्र में बदलाव किया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन के लिए राकवमा विद्यालय नजदीक सुशीला मजल हिसार को केन्द्र बनाया था, लेकिन अब जाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल नजदीक फक्का चौक हिसार को नया बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन केन्द्र निर्धारित किया है। उन्होंने हिसार जिले के सभी संबंधित अर्थार्थियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए अपना फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र तथा मूल प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) लेकर 10 से 12 अगस्त तक होने वाली बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन करवाने के लिए निर्धारित किए केन्द्र जाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल नजदीक फक्का चौक हिसार पर ही पहुंचना सुनिश्चित करें।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर कांग्रेस ने स्वतंत्रता सेनानियों को किया नमन



चरखी दादरी। स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कांग्रेस पदाधिकारी।

संग्राम का ऐतिहासिक अध्याय है। इस आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत को यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की जनता अब गुलामी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। महात्मा गांधी के करो या मरो के आह्वान पर देशभर में लाखों लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष

किया।सुशील ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग और संघर्ष आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में पूर्व सीपीएस रणसिंह मान, पूर्व विधायक धर्मपाल सांगवान, पूर्व विधायक सोमवीर सांगवान, राजू मान, डॉ. ओमप्रकाश, दलवीर गांधी आदि मौजूद रहे।

ख़बर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात : डॉ. मनीषा

चरखी दादरी। लगातार हो रही बारिश के बीच समसपुर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)



का बांध टूटने से ग्रामीण क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। खेतों में एसटीपी का गंदा पानी पहुंचने से किसानों की फसलों पर संकट मंडरा रहा है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ. मनीषा सांगवान ने इस स्थिति के लिए भाजपा सरकार और स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए इसे प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताया। डॉ. मनीषा सांगवान ने कहा कि पिछले दो दिनों से क्षेत्र में लगातार भारी बारिश हो रही है। मानसून को देखते हुए एसटीपी के बांध की मजबूती और सुरक्षा के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए थे, लेकिन प्रशासन की कथित अनदेखी के कारण बांध टूट गया। इससे दर्जनों गांवों में जलभराव का खतरा बढ़ गया है।

सूरदास साधुराम की याद में रक्तदान शिविर कल

तोशाम। क्षेत्र के गांव संडवा में 11 अगस्त मंगलवार को हरियाणा गायक एवं लेखक स्वर्गीय साधुराम कालीरामण की दूसरी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शिविर में बतौर मुख्यतिथि लोहारू से विधायक राजबीर सिंह फरटिया पहुंचेंगे। प्रवीन संडवा ने बताया कि बाढ़सा एसपी की टीम रक्त एकत्रित करने के लिए पहुंचेगी। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

युवाओं ने भूटाना की गोशाला में की सफाई

तोशाम। गोसेवा युवा क्लब भूटाना ने गोशाला भूटाना में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गोशाला परिसर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान युवाओं ने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की नींव है। सार्वजनिक स्थानों, गोशालाओं और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान अन्य सामाजिक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

बिना मान्यता चल रहे निजी स्कूलों पर शिक्षा विभाग कसेगा शिकंजा

बखानीखेड़ा। शिक्षा विभाग अब नियमों को ताक पर रखकर संचालित किए जा रहे निजी स्कूलों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। सुत्रों के अनुसार क्षेत्र में बिना मान्यता संचालित हो रहे निजी स्कूलों की जांच के साथ-साथ उन विद्यालयों पर भी नजर रखी जा रही है, जहां निर्धारित मान्यता से अधिक कक्षाएं संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। विभाग की संभावित कार्रवाई की सूचना से ऐसे स्कूल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। स्कूलों के दस्तावेजों से लेकर कक्षा संचालन तक होगी पड़ताल-बताया जा रहा है कि विभाग की ओर से स्कूलों की मान्यता से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जा सकती है। स्कूल को किन कक्षाओं के संचालन की अनुमति मिली है और वास्तव में कितनी कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, इसकी भी पड़ताल किए जाने की संभावना है। यदि जांच में नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित स्कूल के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो सकती है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्लूमेंट ट्रस्ट मार्केट, मिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुगम हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छुट राशि
5 X 8 से.मी 10X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	छ. 2000/- छ. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छुट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

मिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्लूमेंट ट्रस्ट मार्केट, मिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

मजदूरों और आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ डालना चाहती है सरकार

निजीकरण के खिलाफ भाकियू ने जेल भरो आंदोलन के लिए कसी कमर

आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की

हरिभूमि न्यूज़ ►►मिवानी

बिजली विभाग के निजीकरण के विरोध में 10 अगस्त को आयोजित होने वाले जेल भरो आंदोलन को सफल बनाने के लिए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को गांव बिधवान में भाकियू की जिला कार्यकारिणी की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता भाकियू जिलाध्यक्ष राकेश आर्य निमड़ीवाली ने की।

बैठक के दौरान आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की गईं। बैठक में मौजूद किसान नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाकियू जिलाध्यक्ष राकेश आर्य निमड़ीवाली ने सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान और आम जनता किसी भी सूरत में बिजली



मिवानी। निजीकरण के विरोध में नारेबाजी करते हुए।

फोटो: हरिभूमि

विभाग का निजीकरण बर्दाश्त नहीं करेगी। इस मौके पर भाकियू जिलाध्यक्ष राकेश आर्य ने कहा कि सरकार बिजली विभाग का निजीकरण करके किसानों, मजदूरों और आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ डालना चाहती है। इसके विरोध में 10 अगस्त को भारतीय किसान यूनियन के सैकड़ों साथी मिवानी उपायुक्त कार्यालय के सामने एकत्रित होकर सरकार

के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करेंगे और अपनी गिरफ्तारियां देंगे। जब तक सरकार अपनी किसान व जन-विरोधी नीतियों को वापस नहीं लेती, भाकियू का संघर्ष जारी रहेगा। गांव बिधवान में हुई इस जिला कार्यकारिणी की बैठक में आंदोलन की सफलता की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर राजेश जागलान, वीरभान गिल, करतार गिल,

सरकार निजीकरण का फैसला वापस ले

जिले भर के अलग-अलग ब्लॉकों व गांवों से अधिक से अधिक संख्या में किसानों को मिवानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करते हुए सभी पदाधिकारियों को गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करने

और 10 अगस्त के प्रदर्शन के लिए लामबंद करने का कार्य सौंप गया है। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने निजीकरण के फैसले को जल्द वापस नहीं लिया, तो इस आंदोलन को और अधिक तीव्र एवं व्यापक रूप दिया जाएगा।

सोमबीर धारणवास, नवीन धारणवास, सतबीर श्योराण, महेंद्र सिंहमार, दिनेश श्योराण, आशीष

गिल, ऐड़ा गिल, बिल्लू सिवानी, सोमबीर दुहन, जितेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

नृत्य प्रतियोगिता में अंशा अव्वल

युवाओं में देशभक्ति का जज्बा राष्ट्र की प्रगति का आधार : भारद्वाज

वैश्य महाविद्यालय में 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर हुई नृत्य प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज़►►मिवानी

वैश्य कॉलेज में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. प्रदीप भारद्वाज के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित न रहकर हमारे आचार-विचार और



मिवानी। कार्यवाहक प्राचार्य प्रदीप भारद्वाज के साथ प्रतिभागिनी विद्यार्थी।

कर्मों में दिखाई देनी चाहिए। 'हर घर तिरंगा' अभियान युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण, निष्ठा और गौरव की भावना को मजबूत करता है। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। बीए द्वितीय वर्ष की अंशा ने प्रथम, अंजलि ने द्वितीय तथा बीए तृतीय वर्ष के जतिन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दीपिका, तुषार, अमन, रवीना और विनीता की प्रस्तुतियां भी सराहनीय रहीं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कामना कौशिक और सह-कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोहनलाल ने सांस्कृतिक गतिविधियों को युवाओं के विकास का प्रभावी माध्यम बताया। विजेताओं को सम्मानित कर विरंगे के सम्मान और गौरव को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

माकपा ने किया जेल भरो आंदोलन का समर्थन

मिवानी। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 10 अगस्त को होने वाले जेल भरो आंदोलन का भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने समर्थन किया है। माकपा के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि मजदूरों, किसानों और आम जनता के अधिकारों तथा रोजी-रोटी से जुड़े सवालों को लेकर चलाए जा रहे संघर्ष में पार्टी पूरी मजबूती से साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा, खेतों की बढ़ती लागत व कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने किसानों की फसलों के लिए कानूनी गारंटी के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मजदूरों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

कबड्डी में हिसार बना विजेता

सिंधानी गांव के शहीदों के शौर्य की कहानी सदियों तक रहेगी याद : विधायक फरटिया

हरिभूमि न्यूज़►►लोहारू

नवाबी हुकूमत के दौरान नवाब के सिपाहियों से लोहा लेते हुए 1935 में शहीद हुए 23 लोगों की याद में सिंधानी के शहीद खेल स्टेडियम में शहीद समारोह एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें मुख्यतिथि कांग्रेस विधायक राजबीर फरटिया ने कहा कि सिंधानी के शहीदों के शौर्य की गाथा को आने वाली पीढ़ियों के लोग हमेशा याद रखेंगे। फरटिया ने 92वें शहीद समारोह में शहीदों को नमन दिया और प्रतियोगिता में अव्वल रहे खिलाड़ियों को सम्मानित किया।



लोहारू। सिंधानी में मुख्य अतिथि विधायक राजबीर फरटिया को सम्मानित करते कमेंटी सदस्य।

फोटो: हरिभूमि

नवाब ने सभा पर चलाई थी गोलियां

बता दें कि 8 अगस्त 1935 को गांव सिंधानी में नवाबी हुकूमत के दौरान लगाए कथित अनाप शनाप करों के विरोध में इलाके के लोग गांव सिंधानी में एकत्रित हुए थे। बताया जाता है कि लोगों के विरोध को कुचलने के लिए नवाब ने सभा कर रहे लोगों पर गोलियां चला दी थी, जिसमें इलाके के 23 लोग शहीद हो गए थे। आजादी के बाद से गांव सिंधानी में 8 अगस्त के दिन शहीद समारोह आयोजित कर उन शहीदों को नमन किया जाता है और उनके संघर्षों को याद किया जाता है।

कार्यक्रम जनसेवा स्कूल में हुआ प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन का इंटर स्कूल डांस कम्पटीशन

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प : राम अवतार

जिले के सभी मुख्य प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने दी मनमोहन प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज़ ►►मिवानी

रविवार को प्राइवेट स्कूल्स वेलफेयर एसोसिएशन ने जनसेवा विद्या विहार में हरियाणा की संस्कृति और देशभक्ति की थीम पर अपने वार्षिक इंटर स्कूल डांस कम्पटीशन 2026 का आयोजन किया। कम्पटीशन में मिवानी जिले के 30 प्राइवेट स्कूलों की टीम 3ने भाग



मिवानी। इंटर स्कूल डांस कम्पटीशन में प्रस्तुति देती छात्राएं।

फोटो: हरिभूमि

लिया। कम्पटीशन के उद्घाटन समारोह के मुख्यतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन

शंकरलाल धूपड़ थे तथा अध्यक्षता शिशु भारती हाई स्कूल के संस्थापक विनोद मिर्ग ने की।

वैश्य मॉडल स्कूल मिवानी की टीम ने नारी बाजी

प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्यतिथि मिवानी विधायक घनश्याम सराफ थे तथा अध्यक्षता शंकर लाल धूपड़ ने की। वहीं सांसद धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रामकुमार बंगालिया, श्रद्धानन्द शर्मा, पवन गोयल, सुभाष शर्मा, बजरंग लाल, मधुर कुमार, नरेंद्र कुमार, सुदेश चौधरी, विजय शर्मा व सुमन शर्मा ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। बच्चों ने हरियाणवी संस्कृति और देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां देकर सभी दर्शकों की तालियां और वाहवाही लुट्टी। वैश्य मॉडल स्कूल मिवानी की टीम ने प्रथम स्थान पाकर व्यासह हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता। वहीं हलवासिया विद्या विहार ने दूसरा पुरस्कार के साथ 7100 रुपये तथा जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल ने तीसरा स्थान के साथ 5100 रुपये नकद पुरस्कार जीता। द आर्यन स्कूल और मिवानी पब्लिक स्कूल दोनों टीमों को सातवां पुरस्कार के रूप में 1100-1100 रुपये दिए। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार शर्मा ने कहा कि ऐसे कम्पटीशन बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद करते हैं, इसलिए बच्चों को इनमें बढ़वढ़ कर भाग लेना चाहिए। बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए पूरे साल के दौरान प्राइवेट स्कूल ऐसे आयोजन करते हैं।



मिवानी। मांगों को लेकर धरने पर बैठे बिजली कर्मचारी।

फोटो: हरिभूमि

राष्ट्रव्यापी हड़ताल की सफलता के लिए किया विचार-विमर्श

तीन दिवसीय हड़ताल शीक नहीं, भविष्य और महकमे को बनाने का है अंतिम रास्ता : सांडा संघर्ष मोर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►►मिवानी

सरकार की बिजली क्षेत्र से जुड़ी कथित जन-विरोधी नीतियों जैसे बिजली क्षेत्र का निजीकरण के पैरेलल लाइसेंस, एग्री डिस्कॉम का गठन और जबरन स्मार्ट मीटर थोपना के खिलाफ हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मोर्चा खोल दिया है। अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत कर्मचारियों ने 11, 12 और 13 अगस्त को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

एक तरफ जहां प्रदेश भर के कर्मचारी इस हड़ताल को ऐतिहासिक बनाने के लिए एकजुट हो चुके हैं, वहीं दूसरी तरफ आम जनता, किसानों और उपभोक्ताओं से भी व्यापक जनसमर्थन जुटाया जा रहा है। इस तीन दिवसीय हड़ताल को सफल बनाने के लिए एससी-एसटी एंड बीसी यूनियन के सर्कल सचिव कपूर सिंह, सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला, सर्कल

संघर्ष ही रास्ता

इस मौके पर हरियाणा पॉवर इंजीनियरिंग एसोसिएशन के पक्का व संयुक्त संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ नेता एसडीओ नारायण प्रकाश ने कहा कि 11, 12 और 13 अगस्त की तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल कोई साधारण हड़ताल नहीं है। न तो किसी कर्मचारी को काम छोड़ने का शौक है और न ही अपनी इयूटी से दूर रहने की कोई इच्छा। लेकिन जब सरकार संवाद के दरवाजे बंद कर दे और जबरन निजीकरण की नीतियां थोपे, तो संघर्ष ही एकमात्र रास्ता बचता है। यह आंदोलन बिजली विभाग, कर्मचारियों, किसानों और हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा के लिए लड़ा जा रहा है। यदि आज हम चुप रहे, तो आने वाले समय में बिजली एक आम नागरिक की पहुंच से बाहर हो जाएगी। स्मार्ट मीटर रद्द हों, पुरानी पेंशन योजना की बहाल, कच्चे कर्मचारियों की पक्का करना, जोखिम भरा सड़ित अन्वय है।

सचिव अशोक कुमार, प्रदेश सचिव लोकेश, एसडीओ राजबीर श्योराण, एसडीओ अंकित, एसडीओ रजनीश तिवारी, राज्य ऑडिटर धर्मवीर सिंह भाटी, इंजीनियर संजय रंगा, इंजीनियर संदीप दलाल, अनिल कुमार की इयूटी लगाई।

नशे से दूर रहें

सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपना योगदान देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र मिवानी के अधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने उत्कृष्ट समन्वय एवं प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करवाया। समापन पर उा निदेशक दीपक पंत ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामुदायिक कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य, अनुशासन एवं एकता की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एमसी कॉलोनी में बारिश से बाढ़ जैसे हालात

हरिभूमि न्यूज़ ►►चरखी दादरी

बारिश के बाद शहर की एमसी कॉलोनी में जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई है। कॉलोनी की गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा होने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया। कई स्थानों पर पानी घरों में घुस गया, जिससे लोगों की घरों से बाहर निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व विधायक कर्नल रघबीर सिंह छिल्लर ने जलभराव की स्थिति पर चिंता जताते हुए प्रशासन से तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि एमसी कॉलोनी में लंबे समय से पानी जमा रहने के

पूर्व विधायक ने प्रशासन से पानी निकासी की मांग की

कर्नल रघबीर सिंह छिल्लर

कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। इसके साथ ही गंदगी और बीमार फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है। उन्होंने कॉलोनी का तत्काल निरीक्षण करवाकर पानी निकालने के लिए आवश्यक मशीनरी और कर्मचारियों को मौके पर भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रशासन को युद्ध स्तर पर राहत कार्य शुरू कर लोगों को जल्द राहत देनी चाहिए।

इंतकाल के लिए बनाया पोर्टल बना जी का जंजाल : अशोक

मिवानी। प्रदेश में जमीन के इंतकाल की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाने का दावा करने वाला नया राजस्व पोर्टल आम जनता के लिए राहत बनने के बजाय भारी परेशानी और जी का जंजाल साबित हो रहा है। नए सॉफ्टवेयर पोर्टल पर डेटा ट्रांसफर करने की प्रक्रिया में हुई भारी गड़बड़ियों के कारण पूरे प्रदेश में अफरा-तफरी का माहौल है। इस गंभीर जनसमस्या को लेकर हरियाणा कांग्रेस सेवा दल के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कादियान ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा रोज़े जताया है। कादियान ने प्रैस बयान में नए सॉफ्टवेयर की कमियों को उजागर किया और पोर्टल को अपडेट करने की मांग की ताकि लोगों को परेशानी न हो।